

भारत सरकार
परमाणु ऊर्जा विभाग
राज्य सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या - 644
उत्तर दिनांक 05/02/2026 को दिया गया

राजा रामन्ना चेयर (आर.आर.सी) योजना का योगदान

644. श्री मयंककुमार नायक
श्रीमती दर्शना सिंह

क्या प्रधानमंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :-

- (क) राजा रामन्ना चेयर (आर.आर.सी) योजना के अंतर्गत अब तक कितने पद संस्वीकृत किए गए हैं, कितने पद क्रियाशील हैं तथा कितने पद पूर्ण हो चुके हैं और उनका मेजबान संस्थानों एवं व्यापक विषय-क्षेत्रों में वितरण क्या है;
- (ख) इस योजना के अंतर्गत अब तक कौन-कौन से प्रमुख अनुसंधान परिणाम, नवाचार, पेटेंट, नीति-संबंधी योगदान तथा मार्गदर्शन से संबंधित उपलब्धियाँ प्राप्त हुई हैं;
- (ग) क्या योजना की प्रभावशीलता और मूल्यवर्धन का आकलन करने हेतु कोई मूल्यांकन अथवा समीक्षा की गई है; और
- (घ) यदि हां, तो इसके प्रमुख निष्कर्ष क्या हैं?

उत्तर

राज्य मंत्री, कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन तथा प्रधानमंत्री कार्यालय (डॉ. जितेंद्र सिंह)

- (क) राजा रामन्ना चेयर (आरआरसी) के स्वीकृत पदों की संख्या, सक्रिय पदों की संख्या और पूर्ण किए गए पदों की संख्या क्रमशः 50, 25 और 9 है।

जिन आरआरसी के कार्यकाल पूरे हो चुके हैं, उनमें भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र (बीएआरसी) से 4, भारतीय विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान (आईआईएसईआर), पुणे से 2, मुंबई विश्वविद्यालय से 01, वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर), हैदराबाद से 01 और हैदराबाद विश्वविद्यालय से 01 आरआरसी शामिल हैं।

जिन आरआरसी के कार्यकाल पूरे हो चुके हैं, उनके व्यापक विषय क्षेत्रों में बीएआरसी का हाइड्रोजन ऊर्जा मिशन, बीएआरसी सुविधाओं का संरक्षा विनियमन, सामाजिक लाभों के लिए इलेक्ट्रॉन बीम प्रौद्योगिकी और इलेक्ट्रॉन बीम केन्द्र में त्वरक का उन्नयन, क्वांटम भौतिकी, अतिचालकता, फोटोनिक

क्रिस्टल संविरचन और फोटोनिक बैंड संरचना का संख्यात्मक अनुकरण, सुनामी भेद्यता और डीएई सुविधाओं से संबंधित जलमग्नता (इनुनडेशन) के मुद्दे, क्वांटम क्रोमो-गतिकी से संबंधित सैद्धांतिक उच्च ऊर्जा भौतिकी, संरक्षा दिशानिर्देशों के संबंध में नीति निर्माण और संशोधन, विभिन्न कर्मचारी कल्याण योजनाएं, भर्ती और सेवा संबंधी मामले और पूरे भारत में स्थित परमाणु ऊर्जा स्कूलों का प्रशासन शामिल हैं।

(ख)

वैज्ञानिक अनुसंधान से जुड़े 7 पूर्ण पदों से प्राप्त प्रमुख अनुसंधान परिणामों को बहुत कम तापमान पर चुंबकत्व और अतिचालकता पर अध्ययन, हाइड्रोजन उत्पादन के लिए उच्च तापमान विद्युत-अपघटन को बढ़ाना और हाइड्रोजन भंडारण प्रौद्योगिकियों पर अनुसंधान एवं विकास, अपशिष्ट जल उपचार के लिए इलेक्ट्रॉन बीम आधारित सुविधा का डिजाइन और योजना, इलेक्ट्रॉन बीम आधारित भारतीय कार्गो स्कैनर की क्षमता वृद्धि, त्वरक परियोजनाओं के लिए सुरक्षा समीक्षा का डिजाइन, भारतीय तटरेखा पर डीएई सुविधाओं के लिए सुनामी भेद्यता का मूल्यांकन, मोनो परिक्षेपित नैनो कणों और स्वयं-एकत्रित 2डी और 3डी फोटोनिक क्रिस्टल का संश्लेषण इत्यादि के रूप में मोटे तौर पर वर्णित किया जा सकता है, जिनसे लगभग 32 प्रकाशन प्रकाशित हुए।

नीति संबंधी योगदान जैसे संरक्षा दस्तावेज तैयार करना, रेडियोसक्रिय पदार्थों के परिवहन के लिए संरक्षा समीक्षा, नया निर्माण और भौतिक सुरक्षा प्रणाली रहा। अंशदायी स्वास्थ्य सेवा योजनाओं, कर्मचारी कल्याण, कैरियर प्रगति, भर्ती, संरक्षा समीक्षा और पूरे भारत में स्थित परमाणु ऊर्जा केंद्रीय विद्यालयों के प्रशासन से संबंधित नीति-निर्माण और संशोधन का कार्य 2 आरआरसी पदों द्वारा किया गया है, जिन्होंने अपना कार्यकाल पूरा कर लिया है।

जिन राजा रमन्ना चेर के वैज्ञानिकों, प्रौद्योगिकीविदों और नीति-निर्माताओं का कार्यकाल समाप्त हो चुका है, उनके द्वारा पुस्तक लेखन और प्रकाशन और विभाग की जन-संपर्क गतिविधियों में योगदान के अलावा लगभग 10 छात्रों को उनके शोध कार्य के लिए मार्गदर्शन दिया गया तथा विभिन्न विषयों पर शिक्षण गतिविधियां की गईं।

(ग) व (घ)

हाँ, विभागीय कार्यक्रमों को आगे बढ़ाने के लिए, नाभिकीय परमाणु विज्ञान और प्रौद्योगिकी के विशिष्ट क्षेत्रों में क्षेत्र विशेषज्ञों की सेवानिवृत्ति के बाद उनकी विशेषज्ञता उपयोग के लिए आरआरसी योजना अत्यंत प्रभावी रही है।
